शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादकः संजय बघेल

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

@ PG 2

75 प्रतिशत चढ़ेगा यह शेयर, एनालिस्ट का

रविवार 22 जून 2025 ● वर्ष : 10 ● अंक : 83 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

राजस्थान में मेगा हाईवे पर बस-दो कारों की भिड़ंत, 4 की मौत

जयपुर। राजस्थान में डीडवाना-कुचामन जिले के परबतसर में शनिवार दोपहर मेगा हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां बस और दो कारों की भिड़ंत में 4 लोगों की मौत हो गई। 3 गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि मेगा हाईवे पर ओवरटेक करने की कोशिश में यह हादसा हुआ। परबतसर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतकों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। हादसे के बाद 108 एम्बुलेंस के जरिए घायलों को पहले उप जिला अस्पताल परबतसर लेकर गए। इसके बाद अजमेर अस्पताल रेफर किया गया।

दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 10 बांग्लादेशी गिरफ्तार

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस ने वीजा खत्म होने के बाद भी भारत में रहे रहे 10 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया। साउथ-वेस्ट दिल्ली की ऑपरेशंस सेल ने 4 और सेंट्रल दिल्ली की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने 6 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। ये अलग-अलग होटलों में काम करते थे। पुलिस ने स्त्रक्र्ह (फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस) की मदद से इन सभी को बांग्लादेश डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन पर फॉरेनर्स एक्ट और वीजा नियम उल्लंघन की धाराओं में कार्रवाई भी की गई है।

नीरज चोपड़ा ने 88.16 मीटर भाला फेंका, लीग का खिताब जीता

नईदिल्ली। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने 88.16 मीटर के थ्रो के साथ जर्मनी के जूलियन वेबर को पछाड़ा, जिनसे वो पिछले दो मुकाबलों में हार गए थे। नीरज को इस जीत से 8 पॉइंट्स मिले और वे डायमंड लीग फाइनल की ओर मजबूती से बढ़े।

चलती ट्रेन में सीट विवाद पर युवक की पीट-पीटकर हत्या

बागपत। यूपी के बागपत में चलती ट्रेन में सीट के विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। युवक सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन से बागपत आ रहा था। फखरपुर स्टेशन के पास सीट पर बैठने को लेकर उसका विवाद हो गया। इसके बाद 15 से 20 लोगों ने मिलकर उसे लात-घूंसों और बेल्ट से पीटा।

फ्लाइट में फ्यूल पर्याप्त नहीं था

बेंगलुरु एयरपोर्ट के अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि इंडिगो की फ्लाइट के पायलट ने गुवाहाटी से टेकऑफ के बाद देखा कि विमान में पर्याप्त ईंधन नहीं है। लिहाजा चेन्नई आ रही फ्लाइट को बेंगलुरु डायवर्ट कर दिया गया। इसमें 168 पैसेंजर्स थे। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर री-फ्यूलिंग के बाद इस फ्लाइट को चेन्नई रवाना किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फ्लाइट के पायलट्स को फिलहाल ड्यूटी से हटा दिया गया है।

फिर एक और विमान हादसा होते-होते बचा

फ्लाइट में फ्यूल कम था, पायलट ने मेडे कॉल की : गुवाहाटी से चेन्नई जा रही इंडिगो फ्लाइट की बेंगलुरु में इमरजेंसी लैंडिंग, 168 पैसेंजर्स थे

नई दिल्ली। एजेंसी

अहमदाबाद प्लेन हादसे के करीब एक हफ्ते बाद एक और फ्लाइट के पायलट ने मेडे कॉल किया था। इंडिगो की गुवाहाटी-चेन्नई फ्लाइट के पायलट ने यह इमरजेंसी कॉल किया था। इसकी जानकारी शनिवार को सामने आई। घटना 19 जून की है।

पायलट ने विमान में फ्यूल की काफी कमी देखी थी, इसके बाद उसने ज्ञष्ट (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) को मेडे यानी इमरजेंसी कॉल की थी। हालांकि इस फ्लाइट की तुरंत बेंगलुरु एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

अहमदाबाद में 12 जून को हुए प्लेन क्रैश में यात्रियों समेत कुल 270 लोग मारे गए थे। लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। प्लेन टेकऑफ के कुछ सेकेंड बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से टकरा गया था। इस हादसे में भी पायलट ने मेडे कॉल की थी। मेडे कॉल एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त इमरजेंसी कॉल है। एविएशन की भाषा में इसका इस्तेमाल तब किया जाता है जब कोई विमान खतरे में हो। यह विमानन के क्षेत्र में सबसे जरूरी संकटकालीन सिग्नल है।

अहमदाबाद प्लेन हादसे से पहले भी की गई मेडे कॉल

12 जून को अहमदाबाद प्लेन हादसे को लेकर खुलासा हुआ था कि पायलट्स ने मेडे कॉल दिया था। छ्व्रष्ट के मुताबिक, उड़ान भरते ही पायलट्स ने ज्ञष्ट (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) को मेडे कॉल दिया था, इसका मतलब कि इमरजेंसी की सूचना दी, लेकिन इसके बाद ज्ञष्ट के कॉल्स का कोई जवाब नहीं मिला था। विमान पायलट सुमित सभरवाल का एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) को भेजा गया आखिरी मैसेज भी सामने आया था। 4-5 सेकेंड के संदेश में सुमित कह रहे हैं, मेडे, मेडे, मेडे... थ्रस्ट नहीं मिल रहा। पावर कम हो रही है, प्लेन उठ नहीं रहा। नहीं बचेंगे।

एअर इंडिया के 3 अफसरों को हटाने का आदेश

डीजीसीए ने एयरलाइन से 10 दिन में रिपोर्ट मांगी ; हादसे में 270 मौतें हुई थीं

अहमदाबाद हादसे के बाद डीजीसीए ने शनिवार को एअर इंडिया को 3 अफसरों को हटाने का आदेश दिया। इनमें डिविजिनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, क्रू शेड्यूलिंग करने वाली चीफ मैनेजर पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग की प्लॉनिंग से जुड़ी पायल अरोड़ा शामिल हैं। तीनों अफसरों के खिलाफ यह कार्रवाई एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन को लेकर की गई। डीजीसीए ने एअर इंडिया को तत्काल प्रभाव से इन्हें क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़े रोल से हटाने का आदेश दिया। उधर, एअर इंडिया ने कहा कि डीजीसीए के आदेश को लागू कर दिया गया है। कंपनी के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर अगले आदेश तक इंट्रीग्रेटेड ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर की सीधी निगरानी करेंगे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आदेश 20 जून को दिया गया था, जो आज सामने आया। यह फैसला अहमदाबाद में 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे के बाद लिया गया। लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी।

अफसरों पर 3 आरोप

- नियमों के खिलाफ जाकर क्रू पेयरिंग करना।
- निवार्य उड़ान अनुभव और लाइसेंसिंग नियमों का उल्लंघन करना।
- शेड्यूलिंग प्रोटोकॉल का पालन नहीं करना।

किराए के मकान में नकली नोट छापने की फैक्ट्री

जबलपुर का रैकेट मध्य प्रदेश में फैला रहा था नेटवर्क ; 18 लाख के जाली नोट खपाते पकड़ाया

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर पुलिस ने करीब 18 लाख रुपए के नकली नोट खपाने की साजिश रच रहे गिरोह का खुलासा किया है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड ऋतुराज विश्वकर्मा किराए के मकान में ही नकली नोटों की छपाई का कारखाना चला रहा था।

पुलिस ने मामले में अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक फरार है। गिरोह पूरे मध्य प्रदेश में जाली नोट खपाने की तैयारी में था, जिसमें उन्हें भारी कमीशन के बदले नकली नोट असली नोटों में बदलवाने का नेटवर्क खड़ा करना था। दरअसल, हनुमानताल पुलिस ने सोमवार (16 जून) को मुखबिर की सूचना पर सबसे पहले रवि दाहिया (55) को मदार टेकरी के पास से गिरफ्तार किया था। उसके पास से 2 लाख 94 हजार रुपए के 500-500 रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे।

नकली नोट खपाने के लिए पूरी टीम बना ली थी

तीन दिन की रिमांड में मास्टरमाइंड ऋतुराज विश्वकर्मा ने बताया कि उसने नकली नोट खपाने के लिए पूरी टीम बना ली थी। वह प्रदेश के हर जिले में अपना नेटवर्क तैयार करना चाहता था। इसके लिए लगातार प्रयास कर रहा था।

इस मामले का 8वां आरोपी राकेश तिवारी अब भी फरार है। वह इस केस में संदेही बना हुआ है, पुलिस तलाश कर रही है।

1 लाख नकली नोट तीस हजार में

पूछताछ में रवि ने बताया कि ये नोट उसे आधारताल निवासी ऋतुराज विश्वकर्मा से मिले थे। रवि की हर 1 लाख नकली नोट के बदले 30 हजार रुपए के असली नोट देने की डील हुई थी। इसके बाद पुलिस ने ऋतुराज के घर पर छापा मारा, जहां से 1 लाख 94 हजार रुपए के नकली नोट, लेपटॉप, कलर प्रिंटर, कटर और 4 साइज के दर्जन पेपर बरामद किए गए। जांच में खुलासा हुआ कि ऋतुराज पिछले एक महीने से नकली नोट छापने और खपाने का काम कर रहा था। पूछताछ में ये भी पता चला है कि ऋतुराज 3 लाख असली नोट के बदले 12 लाख नकली नोट देता था।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि मंडला निवासी संतोष श्रीवास्तव और अजय नवेरिया को ऋतुराज ने 12 लाख के नकली नोट दिए थे। सौदे के अनुसार, उन्हें 3 लाख रुपए के असली नोट देने थे। पुलिस ने अजय के पास से 10 लाख और शहपुरा निवासी जमना प्रसाद पटेल के पास से 3 लाख के नकली नोट बरामद किए हैं।

कम पढ़े-लिखे इलाके के लोगों को बनाया निशाना

गिरोह ने सबसे पहले जबलपुर और आसपास के आदिवासी बाहुल्य और ग्रामीण क्षेत्रों को निशाना बनाया, जहां लोग कम शिक्षित होते हैं। यहां नकली नोट खपाना आसान होता है। ऋतुराज ने रेलवे स्टेशन पर धीरज से मुलाकात के बाद गौरव और राकेश से संपर्क कराया और इस योजना को अंजाम दिया।

दिन में प्राइवेट जॉब, रात में नकली नोट बनाता था

आरोपी ऋतुराज के परिवार में उसकी पत्नी और एक बेटा है। परिवार को बताने के लिए वह रोज जॉब में जाने का कहकर घर से निकला करता था। रात को जब पत्नी-बच्चे सो जाते तो एक कमरे में नकली नोट तैयार किया करता। ऋतुराज ने नोट बनाने के लिए व्हाइट पेपर ऑनलाइन मंगाए थे।

पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में योग किया

बोले- तनाव से गुजर रही दुनिया के लिए योग पॉज बटन जैसा ; 191 देशों में 1,300 जगह कार्यक्रम

नई दिल्ली/विशाखापत्तनम। एजेंसी

दुनियाभर में शनिवार को 11वां योग दिवस मनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिक के साथ योग किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि योग का मतलब होता है- जोड़ना। और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है।

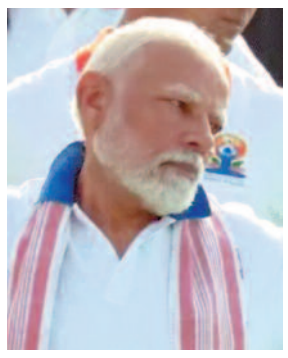

मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया में अशांति, तनाव और अस्थिरता बढ़ रही है, तो योग शांति की दिशा दिखाता है। यह पॉज बटन जैसा। पीएम के साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने भी योग किया। इस बार की योग की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है। इंडियन काउंसिल फॉर कल्चर रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1,300 जगहों पर 2,000 से ज्यादा योग कार्यक्रम हुए।

योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बना: पीएम मोदी ने कहा- आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं। गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं।

इजराइली हमले में ईरानी न्यूक्लियर साइंटिस्ट की मौत

3 कमांडर भी मारे गए ; ईरान से 310 भारतीय लौटे, अब तक 827 का रेस्क्यू

तेहरान/तेल अवीव। एजेंसी

इजराइल ने ईरान के एक और न्यूक्लियर साइंटिस्ट की हत्या कर दी है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, साइंटिस्ट इसार तबातबाई-कमशेह और उनकी पत्नी की मौत शुक्रवार को तेहरान में एक अपार्टमेंट पर ड्रोन हमले में हुई थी।

इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 9वां दिन है। इजराइल 13 जून से अब तक 11 ईरानी न्यूक्लियर साइंटिस्ट्स की हत्या कर चुका है। इजराइल डिफेंस फोर्स ने शनिवार को ईरानी सेना के 3 कमांडरों और 4 जवानों को भी मारने का दावा किया है। इधर, ईरान के मशहद से एक और फ्लाइट शनिवार शाम 4:30 बजे 310 भारतीय नागरिकों को लेकर दिल्ली पहुंची। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर बताया कि ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक 827 भारतीयों को निकाला जा चुका है।

ईरान में 13 जून से अब तक 657, इजराइल में 24 की मौत

अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान में 13 जून से अब तक 657 लोगों की मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। हालांकि, ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ 430 नागरिक के मारे जाने और 3,500 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं।

सोनिया बोलीं-ईरान पुराना दोस्त, भारत की चुप्पी परेशान कर रही, हमें बोलना चाहिए

नई दिल्ली। एजेंसी

कांग्रेस की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की है। उन्होंने द हिंदू में एक आर्टिकल में लिखा कि इजराइल खुद परमाणु शक्ति है, लेकिन ईरान को परमाणु हथियार न होने पर भी टारगेट किया जा रहा है। ये इजराइल का दोहरा मापदंड है।

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान भारत का पुराना दोस्त रहा है और ऐसे हालात में भारत की चुप्पी परेशान करने वाली है। गाजा में हो रही तबाही और ईरान में हो रहे हमलों को लेकर भारत को स्पष्ट, जिम्मेदार और मजबूत आवाज में बोलना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है।

इजराइल ने ईरान पर एकतरफा और क्रूर हमला किया

सोनिया गांधी ने कहा कि 13 जून 2025 को इजराइल ने ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए एकतरफा हमला किया, जो गैरकानूनी और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरनाक है। कांग्रेस ईरान में हो रहे इन हमलों की निंदा करती है, जिनसे क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर गंभीर अस्थिरता और टकराव बढ़ सकता है।

गाजा पर हमले की तरह यह इजराइली ऑपरेशन भी क्रूर और एकतरफा है, जो आम नागरिकों की जान और क्षेत्रीय स्थिरता को पूरी तरह नजरअंदाज करते हुए चलाया गया। ऐसे कदम सिर्फ अस्थिरता को बढ़ाते हैं और आगे आने वाले समय में बड़े संघर्ष के बीज बोते हैं।

यह हमला उस समय हुआ जब ईरान-अमेरिका के बीच कूटनीतिक बातचीत जारी थी और इसके अच्छे संकेत भी मिल रहे थे। इस साल पांच दौर की बातचीत हो चुकी है और जून में छठे दौर की बातचीत होनी थी। मार्च में ही अमेरिका के नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने संसद में बताया था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने पर काम नहीं कर रहा है। 2003 में इस प्रोग्राम को सस्पेंड किए जाने के बाद से अब तक ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने इसे दोबारा शुरू करने की अनुमति भी नहीं दी है।

चुनाव आयोग बोला : इससे वोटर को खतरा ; राहुल बोले- जिससे जवाब चाहिए, वो सबूत मिटा रहा

पोलिंग सेंटर की फुटेज सार्वजनिक नहीं कर सकते

नई दिल्ली। एजेंसी

चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि वोटिंग सेंटर्स की वेबकास्टिंग की सीसीटीवी फुटेज शेयर करना सही नहीं है। इससे वोटर्स, ग्रुप की पहचान करना आसान हो जाएगा। वोट देने वाले और वोट न देने वाले दोनों ही असामाजिक तत्वों के दबाव, भेदभाव और धमकी का शिकार हो सकते हैं।

आयोग ने कहा- सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के कानूनी प्रावधानों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन होगा। आयोग का ये जवाब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली होने के दावे पर ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज शेयर करने की मांग पर आया है।

आयोग ने उदाहरण देते हुए कहा- किसी विशेष राजनीतिक दल को किसी विशेष बूथ पर कम वोट मिलते हैं, तो वो ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज के जरिए बड़ी ही आसानी से पहचान कर सकेगा कि किसने उन्हें वोट दिया और किसने नहीं। इसके बाद वोट न देने वालों को परेशान किया जा सकता है।

इससे पहले शनिवार दोपहर राहुल गांधी ने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा- वोटर लिस्ट? Machine-readable फॉर्मेट नहीं देंगे। सीसीटीवी फुटेज? कानून बदलकर छिपा दी। चुनाव की फोटो-वीडियो? अब 1 साल नहीं, 45 दिनों में ही मिटा देंगे। जिससे जवाब चाहिए था - वही सबूत मिटा रहा है। साफ दिख रहा है- मैच फिक्स है, और फिक्स किया गया चुनाव, लोकतंत्र के लिए जहर है। इससे पहले 20 दिसंबर 2024 को केंद्र सरकार ने चुनाव नियम बदलकर पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग को सार्वजनिक करने से रोक दिया था। चुनाव आयोग ने कहा कि वोटिंग और मतगणना जैसे चुनावी चरणों की रिकॉर्डिंग का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है।

मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हुई

दरअसल, चुनाव आयोग ने तय किया है कि अब चुनावों के दौरान खींची गई फोटो, सीसीटीवी फुटेज, वेबकास्टिंग और वीडियो रिकॉर्डिंग सिर्फ 45 दिनों तक ही सुरक्षित रखी जाएंगी। इसके बाद सारा डेटा डिलीट कर दिया जाएगा।

ईसी ने 30 मई को सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव नतीजे को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जाती है, तो 45 दिन बाद ये सारा डेटा नष्ट कर दिया जाए। फैसला फुटेज के दुरुपयोग और सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक जानकारियों को रोकने के लिए लिया गया है। श्वष्ट का कहना है कि हाल ही में कुछ गैर-उम्मीदवारों ने चुनावी वीडियो को तोड़-मरोड़कर गलत नैरेटिव फैलाने की कोशिश की, जिससे मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हुई। कांग्रेस ने आयोग के इस नियम का विरोध किया है। पार्टी ने कहा कि पहले एक साल तक इस डेटा को सेफ रखा जाता था, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कभी भी इसकी जांच हो सके। आयोग का यह नियम पूरी तरह से लोकतंत्र के खिलाफ है। इसे तुरंत वापस लेना चाहिए।

संपादकीय

यह युद्ध क्यों?

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध लगातार तेज होता जा रहा है। इस युद्ध के बाद पूरी दुनिया में खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि वो परमाणु हथियार पूरी तरह छोड़ दें।

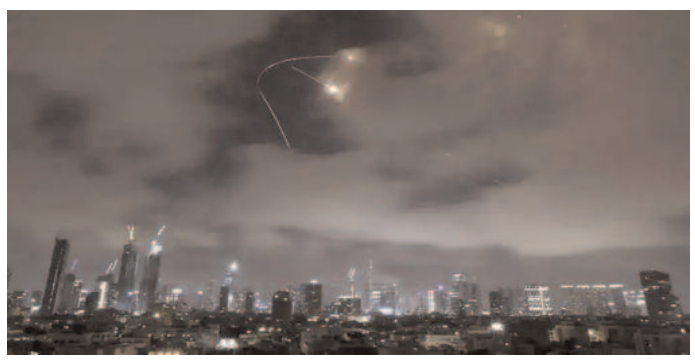

प्रधानमंत्री इस्राइल और ईरान के बीच का टकराव बढ़ता ही जा रहा है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले तेज करने की चेतावनी दी है। अमेरिका ने भले लड़ाई में शामिल होने का निर्णय लेने के लिए दो हफ्ते का समय तय किया हो, लेकिन उसकी तरफ से ऐसी कोई पहल नहीं हो रही, जिससे लगे कि वह संघर्ष टालना चाहता है। इस्राइल का कहना है कि वह लक्ष्य हासिल होने तक नहीं रुकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है?

एटमी खतरा: अमेरिका और इस्राइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इस्राइल ने इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर हवाई हमले शुरू किए थे। लेकिन, इस लक्ष्य को लेकर सबसे बड़ा संदेह इसलिए है कि क्या वाकई ईरान एटमी पावर बनने के करीब है, क्योंकि पश्चिम के ही कई जानकारों को ऐसा नहीं लगता।

सत्ता में बदलाव: इस्राइल चाहता है कि ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को न्यूक्लियर ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इस्राइल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं।

कट्टरता बढ़ेगी: हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भी इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म किया जा सकता है, उस तकनीकी ज्ञान को नहीं, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव अगर ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ले गया, तो अमेरिका या इस्राइल के पास क्या जवाब होगा? हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए।

पुराने सबक: इराक, लीबिया, सीरिया - कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने का प्रयास किया। इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है।

एकमात्र रास्ता: इस संघर्ष में अब भी कुछ सकारात्मक बातें हैं - अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इस्राइली हमले रुकने के बाद होगी। इस संकट को टालने का यही एकमात्र तरीका भी है - बातचीत।

कुछ लोगों को सदा से लगता रहा है कि इस तेजी से बदलते दौर में, जब दुनिया विश्वग्राम बन चुकी है, अंग्रेजी के बिना तरक्की संभव नहीं है।

जब भाषा बन जाए आत्मसम्मान का सवाल, गृहमंत्री का संकेत और हमारी जिम्मेदारी

हर सभ्य और संवेदनशील देश तथा समाज अपनी भाषा और संस्कृति को लेकर सतर्क रहता है। बिना अपनी भाषा का संरक्षण किए, अपनी संस्कृति की सुरक्षा नहीं की जा सकती। इस अर्थ में केंद्रीय गृहमंत्री का भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को लेकर दिया गया बयान महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने दावे के साथ कहा कि आने वाला समय भारतीय भाषाओं का होगा और अंग्रेजी बोलने वाले शर्म करेंगे। उनके बयान से इस उम्मीद को भी बल मिला है कि राष्ट्रभाषा का मसला सुलझ सकता है। अभी हकीकत यही है कि सेतु भाषा के रूप में स्वीकार की गई अंग्रेजी का वर्चस्व अधिक है। सरकारी कामकाज, न्यायालयों, शिक्षा, व्यापार आदि में हालांकि भारतीय भाषाओं का चलन पहले की तुलना में बढ़ा है, पर इतना नहीं कि अंग्रेजी विस्थापित हो सके।

ऐसे में गृहमंत्री का बयान समझा जा सकता है। आजादी के बाद लगभग सर्वस्वीकृत था कि हिंदी राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित हो सकेगी। पर ऐसा होना तो दूर, कई क्षेत्रीय भाषाओं के साथ इसका तालमेल अब तक ठीक से नहीं बन पाया है। अक्सर कुछ राज्यों से हिंदी को लेकर विरोध के स्वर उभरते देखे जाते हैं। तमिलनाडु और महाराष्ट्र का मामला ताजा है, जहां शिक्षा में त्रिभाषा सूत्र लागू करने के लिए संघर्ष देखा गया। हालांकि महाराष्ट्र ने अब हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में मान्यता दे दी है।

आज जब ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में काफी तरक्की हो चुकी है, खासकर शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व बढ़ता ही दिखाई देता है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से सवाल उठते रहते हैं कि इस तरह आखिर भारतीय भाषाओं में ज्ञान के प्रसार का रास्ता प्रशस्त कैसे हो सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार पर बल दिया गया है। मगर यह काम अपनी भाषा में ही संभव हो सकता है। अंग्रेजी में पहले ही बहुत सारी ज्ञान संपदा की गलत व्याख्याओं से सांस्कृतिक धुंधलका छा गया है।

गृहमंत्री का वक्तव्य इस संदर्भ में व्यापक अर्थवत्ता समेटे हुए है। यह सही है कि कई बार बदलते समय के मुताबिक भाषाओं को अपनी उपयोगिता सिद्ध करने में कठिनाई आती है, मगर भाषाओं का अस्तित्व केवल व्यापारिक-वाणिज्यिक जरूरतों से जुड़ा नहीं होता। गृहमंत्री ने इस संदर्भ में साहित्य का महत्त्व रेखांकित किया कि साहित्य हमारे समाज की आत्मा है। यह सदियों से हमारी संस्कृति, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा करता आया है।

कुछ लोगों को सदा से लगता रहा है कि इस तेजी से बदलते दौर में, जब दुनिया विश्वग्राम बन चुकी है, अंग्रेजी के बिना तरक्की संभव नहीं है। मगर इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि भारतीय ज्ञान परंपरा को अवरुद्ध या कहीं-कहीं उसकी धारा को पूरी तरह खत्म कर देने में अंग्रेजी का बड़ा हाथ रहा है। जिसे भारतीय आत्मा कहा जाता है, उसकी रक्षा भारतीय भाषा के जरिए ही संभव है। हालांकि गृहमंत्री ने भी स्वीकार किया कि विदेशी पहचानों से मुक्ति पाने में वक्त लगेगा और भारतीय भाषाओं का वास्तविक स्वरूप विकसित होने में कुछ कठिनाई है, पर यह संभव होगा। भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन का जिम्मा चूंकि गृह मंत्रालय पर है, इसलिए यह माना जाना चाहिए कि गृहमंत्री जब अंग्रेजी को विस्थापित कर भारतीय भाषाओं का वर्चस्व स्थापित करने का दावा कर रहे हैं, तो निस्संदेह उनके मन में इसे लेकर कोई ठोस खाका है।

'गिरोहबंद कानून' या सत्ता का हथियार? यूपी में इंसाफ बनाम दमन की बहस

उत्तर प्रदेश में गिरोहबंद कानून के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठने लगी है। ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि इस कानून का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों का दमन करने, किसी का उत्पीड़न करने या बदनाम करने के लिए भी किया जाता है। इस संबंध में लोग अदालतों के दरवाजे खटखटाने लगे हैं। बिना किसी उचित प्रक्रिया और पर्याप्त सबूत के, लोगों को जिस तरह गिरफ्तार किया जाता रहा है, उस पर अदालतों ने कई बार चिंता जताई है।

दरअसल, इस कानून के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल कई बार पुलिस विवेकपूर्ण तरीके से नहीं करती है। हालांकि, इस तरह के आचरण पर अंकुश के लिए दिशा-निर्देश लागू किए जा चुके हैं। मगर चिंता की बात है कि यह मनमानी थमी नहीं। लिहाजा, शीर्ष न्यायालय को एक बार फिर याद दिलाना पड़ा कि इस कानून को विवेकपूर्ण तरीके से लागू किया जाना चाहिए।

अदालत ने उत्तर प्रदेश में इस संबंध में दर्ज एक प्राथमिकी को खारिज करते हुए 'यूपी गैंगस्टर्स एक्ट' जैसे कठोर कानून के नियमित इस्तेमाल को लेकर चेताया है। साथ ही यह भी कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी तब और महत्त्वपूर्ण हो जाती है, जब इस तरह के कड़े प्रावधान वाले असाधारण कानून को अमल में लाया जाता है।

यह चिंता की बात है कि राज्य को दी गई इस शक्ति का इस्तेमाल संगठित गिरोहों के अलावा साधारण अपराध से जुड़े मामलों या राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को परेशान करने के लिए भी होने लगा है। इसीलिए शीर्ष न्यायालय ने फिर स्पष्ट कर दिया है कि इस कानून को धमकी के साधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता, खासकर उस समय जब राजनीतिक मंशा काम कर रही हो। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्ष पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्ती के बाद इस कानून के दुरुपयोग के लिए राज्य की ओर से नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

व्यापार

इस कंपनी को मिला 104 करोड़ का ऑर्डर, अब सोमवार को शेयर पर रहेगी नजर

बीते शुक्रवार, 20 जून को ईएमएस लिमिटेड के शेयर 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। अब सोमवार को शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी। जून 2024 में शेयर 546 रुपये के निचले स्तर पर था।

इंफ्रा सेक्टर से जुड़ी कंपनी- ईएमएस लिमिटेड को यूपी जल निगम (अर्बन) से एक बड़ा ऑर्डर मिला है। यह कंपनी यूपी जल निगम द्वारा शुरू की गई एक इंफ्रा स्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के लिए सबसे कम बोली लगाने वाले (एल-1) के रूप में उभरी है। यह ऑर्डर ज़104.06 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) का है।

प्रोजेक्ट के बारे में

यह प्रोजेक्ट आगरा जल आपूर्ति पुनर्गठन योजना (ट्रांस यमुना जोन-ढ्ढ और ढ्ढढ्ढ) - पैकेज 1 का हिस्सा है। इस वर्क के दायरे में सर्वेक्षण, मिट्टी की जांच, इंजीनियरिंग, डिजाइन और निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए सभी जरूरी सामग्रियों और जनशक्ति की आपूर्ति शामिल है। यह कॉन्ट्रैक्ट 24 महीनों के भीतर पूरा होने वाला है। यह ऑर्डर पूरी तरह से घरेलू है।

शेयर का हाल: शुक्रवार, 20 जून को ईएमएस लिमिटेड के शेयर 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। अब सोमवार को शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी। जून 2024 में शेयर 546 रुपये के निचले स्तर पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। दिसंबर 2024 में शेयर की कीमत 1,016.85 रुपये थी। इसकी शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 69.70 फीसदी हिस्सेदारी है। इसकी पब्लिक शेयरहोल्डिंग 30.30 फीसदी की है।

कैसे रहे कंपनी के तिमाही नतीजे

बीते दिनों ईएमएस लिमिटेड ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। मार्च 2025 को समाप्त तीन महीनों में कंपनी के मुनाफे में गिरावट आई और यह 46.92 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को एक साल पहले की समान अवधि में 47.38 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही में इसकी कुल आय बढ़कर 272 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 246 करोड़ रुपये थी।

पूरे वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ईएमएस ने मुनाफा में 20.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष में ज़152.66 करोड़ से बढ़कर ज़184 करोड़ हो गया। परिचालन से राजस्व पिछले वित्त वर्ष में ज़793.31 करोड़ से 22 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 25 में ज़965.83 करोड़ हो गया।

रॉकेट की तरह भाग रहा जूते बनाने वाली कंपनी का शेयर, 32 रुपये पर है भाव

अप्रैल 2025 में जूता बनाने वाली कंपनी- मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड शेयर की कीमत 26.25 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। जुलाई 2024 में इस शेयर की कीमत 49.57 रुपये पर पहुंच गई।

बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में तूफानी तेजी का माहौल था। इस माहौल में चमड़ा उत्पाद से जुड़ी कंपनी- मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयर में तूफानी तेजी आ गई। एक दिन पहले शेयर की क्लोजिंग 28.91 रुपये पर हुई थी और शुक्रवार को 7.96 प्रतिशत चढ़कर 31.21 रुपये पर बंद हुआ। यह शेयर ट्रेडिंग के दौरान 33.50 रुपये के स्तर पर था। अप्रैल 2025 में शेयर की कीमत 26.25 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। जुलाई 2024 में इस शेयर की कीमत 49.57 रुपये पर पहुंच गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

शेयरहोल्डिंग पैटर्न

मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड की शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 71.27 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 28.73 फीसदी है। प्रमोटर्स में तस्नीफ अहमद मिर्जा के पास 3,00,74,444 शेयर या 21.76 फीसदी की हिस्सेदारी है। वहीं, तौसेफ अहमद मिर्जा के पास 3,02,96,604 शेयर या 21.92 फीसदी की हिस्सेदारी है।

कंपनी के बारे में

1979 में स्थापित, मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड भारत की लीडिंग चमड़े के जूते निर्माता, विपणक और निर्यातक है। हमारे पास प्रसिद्ध ब्रांडों का पोर्टफोलियो है। कंपनी की वैश्विक उपस्थिति 28 देशों और 6 महाद्वीपों में फैली हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कंपनी ने उन कुछ भारतीय फुटवियर कंपनियों में से एक हैं जो ब्रांड नाम से बिक्री करती हैं।

कंपनी के नतीजे

मिर्जा इंटरनेशनल के नतीजे की बात करें तो मार्च 2025 तिमाही में बिक्री 121.95 करोड़ रुपये रही, जो मार्च 2024 में 152.39 करोड़ रुपये से 19.98 प्रतिशत कम है। मार्च 2025 में तिमाही घाटा 4.40 करोड़ रुपये रहा, जो मार्च 2024 में 1.19 करोड़ रुपये से 469.74 प्रतिशत कम है। मार्च 2025 में एबिटा 6.07 करोड़ रुपये रहा, जो मार्च 2024 में 12.60 करोड़ रुपये से 51.83 प्रतिशत कम है। वित्तीय वर्ष 2024 में मिर्जा इंटरनेशनल ने ज़630 करोड़ का कुल राजस्व दर्ज किया, जिसमें से ज़515 करोड़ निर्यात से आए।

10 टुकड़ों में बंटने जा रहा यह स्टॉक, रिकॉर्ड डेट अगले हफ्ते

करीब 5000 प्रतिशत चढ़ा चुका है शेयर

शेयर बाजार में अगले हफ्ते कई कंपनियां एक्स-स्प्लिट ट्रेड करेंगी। इन कंपनियों की लिस्ट में Elitecon International Ltd भी है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सों में होने जा रहा है। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। बता दें, बीते कुछ सालों से यह स्टॉक शेयर बाजार में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

किस दिन है रिकॉर्ड डेट?

मल्टीबैगर स्टॉक Elitecon International Ltd ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस शेयरों के बंटवारे के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति हो जाएगा। कंपनी ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए 25 जून की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इस दिन कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सों में कर दिया जाएगा।

शेयर बाजार में दहाड़ रही है कंपनी

शुक्रवार को Elitecon International Ltd के शेयरों में लोअर सर्किट लगा था। 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद बीएसई में यह स्टॉक 493.90 रुपये के लेवल पर आ गया था। बीते 1 महीने की बात करें तो इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 36 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 3 महीने में यह स्टॉक 71 प्रतिशत बढ़ा है। 2025 की बात करें यह स्टॉक 376 प्रतिशत चढ़ा है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 4.97 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 629.55 रुपये और 52 वीक लो लेवल 11.02 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 7894.99 करोड़ रुपये का है।

1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट इसी महीने

एक्सचेंज को दी जानकारी में Investment & Precision ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 27 जून 2025, दिन शुक्रवार को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

Investment & Precision ने पहली बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। कंपनी की तरफ से तय किया गया रिकॉर्ड डेट इसी महीने है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई में 4.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 989.40 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया जाएगा

एक्सचेंज को दी जानकारी में Investment & Precisionने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 27 जून 2025, दिन शुक्रवार को रिकॉर्ड डेट तय किया है। वहीं, कंपनी की तरफ से शेयरों का अलॉटमेंट 1 जुलाई 2025 को किया जाएगा।

बता दें, कंपनी पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर दे रही है।

Investment & Precision इससे पहले कंपनी ने कई बार निवेशकों को डिविडेंड दिया है। 2024 में कंपनी ने एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड दिया है। 2023 में भी कंपनी ने एक रुपये का डिविडेंड दिया था। इससे पहले 2021 में कंपनी की तरफ से 75 पैसे, 2022 में 25 पैसे का डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार में कैसा रहा है बीता 3 महीने?

महज 3 महीने में इस कंपनी ने निवेशकों को 64 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, 1 साल से Investment & Precision के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को 67 प्रतिशत का लाभ हो चुका है। कंपनी का 52 वीक हाई 1049 रुपये और 52 वीक लो लेवल 545 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 494 करोड़ रुपये का है।

2 साल में Investment & Precision का शेयर 133 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, 5 साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को 520 प्रतिशत का लाभ मिल चुका है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 137 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 22 जून 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

कब और कैसे रूकेगा धान तस्करी का खेल!

21 जून को एक मौखिक सूचना के आधार पर जिला आपूर्ति अधिकारी बालाघाट एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने अमाई से खैरलांजी रोड पर उपस्थित होकर सरकारी धान से भरे तीन ट्रको क्रमांक- ट्रक क्रमांक सीजी-08 जेड 0281, ट्रक क्रमांक एमएच - 40 एल 7997 तथा ट्रक क्रमांक सीजी-08 डब्ल्यू 7581 पर कार्यवाही की है।

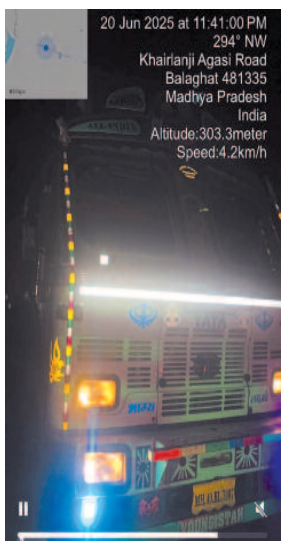

बालाघाट। राष्ट्रबाण

शिकायतो और वैधानिक कार्यवाहीयों के बाद भी जिले में सरकारी धान की तस्करी का खेल थमने का नाम नही ले रहा है। धान तस्कर इस खेल को पूरी ताकत और प्लानिंग के साथ कुछ धान तस्कर अंजाम दे रहे है, लेकिन एक बार फिर विभागीय अमले ने गोपनीय सूचना पर कार्यवाही करके धान तस्करो के मंसूबो पर पानी फेर दिया है।

दरअसल, 21 जून को एक मौखिक सूचना के आधार पर जिला आपूर्ति अधिकारी बालाघाट एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने अमाई से खैरलांजी रोड पर उपस्थित होकर सरकारी धान से भरे तीन ट्रको क्रमांक- ट्रक क्रमांक सीजी-08 जेड 0281, ट्रक क्रमांक एमएच -40 एल 7997 तथा ट्रक क्रमांक सीजी-08 डब्ल्यू 7581 पर कार्यवाही की है। जहां उक्त मार्ग पर खड़े पाए गए ट्रको में सरकारी धान भरा हुआ था। जिसका आरओ नंदलेसरा गोदाम कटंगी से आदिशक्ति राइस मिल छिंदवाड़ा के लिए काटा गया था और उक्त ट्रको में शासकीय धान भरे गये थे। लेकिन उक्त ट्रकों के परिवहन की दिशा विपरीत होने के कारण विभागीय अमले द्वारा कार्यवाही की गई और आगामी कार्रवाई तक सरकारी धान से भरे तीनो ट्रको को पुलिस थाना प्रभारी रामपायली की अभिरक्षा में थाना रामपायली में खडा करवा दिया गया। जहां मौके पर गाड़ी चालक द्वारा गेट पास दिए गए।

सुत्रो से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त ट्रक 20 जून की शाम करीब 05 बजे नंदलेसरा कटंगी गोदाम से भरे गये थे। जिन्हे गेट पास जारी करके छिंदवाडा के लिये रवाना किया गया था। लेकिन उक्त ट्रक रात्री लगभग 12 बजे रामपायली थाना क्षेत्र के भजियादंड में पकडाई। जिन पर जिला आपूर्ति अधिकारी बालाघाट आर. के ठाकुर ने वैधानिक जांच कर जप्ती कार्यवाही की है और ट्रको को थाने के सुपुर्द किया है। उनका कहना है कि अभी मामले में जांच प्रचलित है। बहरहाल उक्त घटनाचक्र से यह समझा जा सकता है कि जिले में अभी भी सरकारी धान की तस्करी का काला कारोबार धड्ल्ले से चल रहा है और धान तस्कर इस खेल में पूरी तरह संलिप्त नजर आ रहे है। यही वजह है कि जिन ट्रको पर अपने वास्तविकत गतंव्य में जाना होता है, लेकिन वे कही और ही दिशा में पहुंचा दिये जाते है।

भाजपा गढ़ में निर्दिलीय प्रत्याशी ने थामा कांग्रेस का दामन

कांग्रेस के बड़े दिग्गजों नेताओं के हाथों पहना गमछा, हुई ज्योति ईश्वरीय उमरे शामिल

नशा हटाओं बेटा बचाओं का नारा : ज्योति ईश्वरीय उमरे

बालाघाट। राष्ट्रबाण

राजनीतिक पार्टियों एवं गलियारों नाम चिन्हो पार्टी यो का उलटफेर का लगातार चलता रहता रहा है ।कई नेताओं द्वारा कांग्रेस दामन छोड़ भाजपा मे शामिल हो चुके है तो कई नेता बागी बन बैठे है ।ऐसे हि बालाघाट के विधानसभा क्षेत्रों मे भी लगातार सिलाशीला चल रहा है जो विधानसभा के क्षेत्र लाँजी के एक जिला पंचायत सदस्य ज्योति ईश्वर उमरे एक सशक्त महिला है। जिन्होंने भाजपा और कांग्रेस के गढ़ को कहे जाने वाले क्षेत्र 7 कमांक के जिला पंचायत सदस्य पद के निर्दलिय उम्मीदवार दायित्वों आव्हाण किया गया है। इसी बिच मे कही बड़ी चुनौतीपूर्ण परेशानियों को सामना किया गया।वही ज्योति ईस्वर उमरे ने जानताओ से जमीनी स्तर से जुड़े हुए नेता के नाम से भी जाने जाते है ।जमीनी स्तर पर ज्योति ईस्वर उमरे के नाम ग्रामीणों के जुबा पर है ।कहा जाता है की ग्रामीणों के जमीनी स्तर से छोटे बड़े समस्याओं का मुद्दा उठाया जाता है,ऐसे कई उदाहरण है जनताओ के समस्याओं हल किया है।जिला पंचायत सदस्य, जनता की समस्याओं को जिला प्रशासन तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए प्रयास करते हैं। वे विकास योजनाओं में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने में भी मदद करते हैं।वही नशा हटाओ बेटा नशे का आदी हो जाते है परिवार बर्बाद हो जाता है।जिसका नेतृत्व में नशामुक्ति अभियान चलाया गया।जिसे ग्रामीणों ने जिला पंचायत सदस्य बनाकर अपना प्यार दिया गया।जो अपना दायित्वों को बड़े बखूबी से चला रहें है।

बेटा नशे का आदी हो जाए तो परिवार हो जाता है बर्बाद

जिला पंचायत सदस्य ज्योति ईश्वर उमरे ने बताया कि हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक ग्राम व क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने का है ।जब तक पहल नहीं करेंगे,तब तक अपने गांव को अपने क्षेत्र को नशा मुक्त नहीं बना सकते। सौभाग्य की बात है जो मेरा गांव है मेरा परिवार है यहां से नशा मुक्त के लिए पहल की गई है ।नशा के कारण बेटा बिगड़ जाए तो पूरा परिवार तहस नहस हो जाता है, जो बेटा नशे का आदी है उसे एकदम से सुधार नहीं सकते ।लेकिन सुधारने की कोशिश कर सकते हैं, जो छोटे बच्चे हैं युवा है इनको समझाने की आवश्यकता है की नशा की ओर ना जाए और अच्छे चीजों का आदी बने ।पद मे आने से पहले संघटन नशा हटाओं बेटा बचाओ के तहत् अपने मजबूत पकड़ और अपनी पहचान बना चुके है।

निर्दलीय प्रत्याशी भाजपा विधायक गढ़ मे कांग्रेस क दामन थामा

बालाघाट जिले के लाँजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्रों इस तरह का उलटफेंर होना बड़ी मुश्किलें वाली बात है ऐसे पार्टियों के द्वारा एक दूसरे जा दामन थामा जा रहा है ,जब राष्ट्रबान के स्वदाता ने जिला पंचायत सदस्य ज्योति ईश्वर उमरे से मुलाखत कर चर्चा की तो कई स वालो का जवाब दिया गया।जिसमे ऐसे कई बातो का खुलासा हुआ की जो एक निर्दिलिय प्रत्यासी बनाकर जिला पंचायत सदस्य पद है। उन्हीने कहा है की मेरे परिवार भाजपा हि से जुड़े थे। हम भी इसे बखभी तरह शामिल मे चल रहव थे ,लेकिन हमें कमान नहीं मिलने से निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ा।तथा जीत हसील कर जिला पंचायत सदस्य की कुर्सी पर बैठे है।

जिससे भेजो की गढ़ मे निर्दिलय सदस्य के रूप मे कार्य कर रहें है।जिन्होंने शाशकीय कार्य योजनाओं से सम्बन्धित दूर रखा जाता था। ऐसे हि नहीं कई कार्यक्रमों से वंचित कर बुलाया नहीं जाया जाता है।जिस प्रकार से अपमानित किया जा रहा था।वही एक महिला के लिए बड़ी चुनौतीपूर्ण होती है।इसी बिच मे कांग्रेस का हि दामन थामना हि ठीक समझा।जिसे कुछ दिनों पहले कांग्रेस बड़े नेताओं के बालाघाट आगमन पर निर्दिलिय जिला पंचायत सदस्य ज्योति ईश्वरीय उमरे कांग्रेस का गमक्षा गले मे लगाकर शामिल हुए।

राहुल जी का जन्म दिवस पर दी गई बधाई .....।

चर्चाओं के दौरान जिला पंचायत सदस्य ज्योति ईश्वरीय उमरे ने 19 जून को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन का जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई भी दी गई वही कहा की बडे ही हर्षोल्हास के साथ कांग्रेस जनों के साथ अपने नेता राहुल गांधी जी का जन्म दिन पर केक काटकर राहुल जी का जन्म दिवस मनाया जायेगा ।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य थीम पर मनाया योग दिवस

- शरीर के वजन बढ़ने पर व्यायाम, मन पर भार बढ़े तो योग और धन का वजन बढ़ जाये तो दान करना चाहिए - सांसद श्रीमती पारधी
- सामूहिक योगाभ्यास में जनप्रतिनिधि अधिकारी, स्कूली विद्यार्थी और नगर के नागरिकों ने योग क्रियाएं की

बालाघाट। राष्ट्रबाण

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए शनिवार को नगर के स्थानीय सांदीपनि विद्यालय में 11 वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सांसद श्रीमती भारती पारधी की अध्यक्षता में सामूहिक योग में जनप्रतिनिधियों सहित जिला अधिकारी,स्कूली विद्यार्थी और नगर के गणमान्य नागरिकों ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने की विधा में योग सबसे उत्तम है। योग का सीधा सम्बंध जोड़ने से है, जैसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने योग से पूरे भारत को जोड़ा है। आज सिर्फ भारत में नही विश्व के अनेक देशों में योग दिवस मनाया जा रहा है। योग शारीरिक ही नही बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक रूप से बांधता है जोड़ता है। जब शरीर का वजन बढ़ने लगे तो व्यायाम आवश्यक है,ऐसे ही मन पर भार बढ़े तो योग और धन का वजन बढ़ जाये तो दान करना चाहिए। सांदीपनि विद्यालय में आयुष विभाग द्वारा आयोजित योग में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अशोक सरस्वार, कलेक्टर श्री मृणाल मीना, एडीएम श्री जीएस धुर्वे,जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, सीआरपीएफ 123 वी बटालियन कमांडेंट तेजिंदर कौर, सहायक कलेक्टर श्री आकाश अग्रवाल,एसडीएम श्री गोपाल सोनी, सीएसपी वैशाली सिंह सहित नपा पूर्व अध्यक्ष श्री रमेश रँगलानी ने सामुहिक रूप से योग किया।

बैठकर करने वाले योगाआसन

योग दिवस पर कुछ आसन बैठकर आसन किये गए। इसमें पैरों को लंबा करते हुए हाथों की हथेलियों को जमीन पर रखते हुए दंडासन की मुद्रा में बैठकर आसन प्रारम्भ हुआ। इसके पश्चात पैर लंबे करते हुऐ कंधे सीधे ऊपर की ओर रखते हुए झुक कर दोनों हाथों से पाँव की उँगलियो को स्पर्श करने होता है। इस अवस्था के बाद सामान्य होकर वज्रासन की मुद्रा में बैठकर पैरों को नितम्भ के नीचे करते हुए एड़ियो पर बैठकर सामान्य श्वास छोड़ते रहना है। ध्यान श्वास पर रखा जाता है। अर्ध उष्ट्रासन घुटने के बल पर आकर कमर पर दोनों हाथ रखते हुए पीछे की ओर झुकना होता है। मंडूकासन में दोनों घुटने मोड़ते हुए पेट को धीरे-धीरे जमीन की ओर झुकना है और पूरी तरह लंबे हाथ रखने है। उत्तान मंडूकासन में धीरे-धीरे श्वास भरते हुए दोनों हाथों को ऊपर ले जाना है। हाथ पीछे की ओर मोड़ते हुए दोनों हथेलियों को एक दूसरे पर कुछ देर रखना है। धीरे से श्वास छोड़ते हुए दोनों हाथों को ऊपर करते हुए सामान्य स्थिति में आना होता है। फिर दोनों पैरों को लंबे करते हुए सामान्य स्थिति में आना। मकरासन में एक पैर लंबा करते हुए एक पैर घुटने से मोड़ते हुए, वहीं एक हाथ को कमर के पीछे की ओर तथा दूसरे हाथ को लंबे पांव के घुटने की ओर लाना है। फिर श्वास छोड़ते हुए सामान्य स्थिति में आना है। इसके बाद दूसरे पांव से भी इसी तरह दोनों हाथों की स्थिति बदलते हुए करना होता है। भुजंगासन में लेटकर हाथों को कोहनी से मोड़कर ठुड्डी को हाथों की उल्टी हथेलियों पर रखना है ।सेतुबंधानसन में सीधे लेटकर दोनों पैर घुटने से मोड़ते हुए दोनों हाथों से एड़ियो को पकड़ना है। अब धीरे-धीरे कमर को ऊपर की ओर रखना है। उत्तानासन सीधा लेटकर दोनों पैरों को 45 डिग्री तक उठाना है। अब दोनों पैरों को कमर से ऊपर के नीचे से ऊपर उठाना होता है। कुछ देर उसी अवस्था मे रखना है। इसके पश्चात शवासन किया गया। इस आसन में आंखे बंद रखते हुए दोनों पैरों को थोडा चौड़ा रखते हुए हाथों को कमर से दूर हथेलिये खोलकर आंखे बंद करते हुए स्वयं में ध्यान रखना होता है।

योग से पूर्व कार व ग्रीवा और स्कंध चालन कर शरीर को गति प्रदान की: योग की शुरुआत ऊ कार शब्द की ध्वनि के साथ हुई। इसके पश्चात देश के सांस्कृतिक सम्बोधन स्वरूप दोनों हाथों को जोड़कर अभिवादन करते हुए यूट्यूब से प्राप्त अनुदेशों के अनुसार सभी ने योग से पूर्व ग्रीवा व स्कंध चालन को गति प्रदान की। इसमें गर्दन व कंधे से जुड़े व्यायाम किये गए।स्कंध चक्र में दोनों हाथों की कोहनी मोड़कर कंधों पर रखते हुए वृत्ताकार घुमाते हुए चेहरे के सामने लाकर धीरे-धीरे घुमाया गया।

ताड़ासन योगासन से हुआ योगअभ्यास

योग की शुरुआत ताड़ासन से हुई। इसमें दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में फंसाकर। सिर के ऊपर हाथों को ले जाकर एड़ियो को ऊपर उठाते हुए पाँव के पंजे पर खड़े होने का प्रयास किया। इसके पश्चात सिलसिलेवार पादहस्तासन में श्वास भरते हुए दोनों हाथों को सिर के ऊपर करने के पश्चात और धीरे-धीरे नीचे झुक कर जमीन को स्पर्श किया गया।

योग का अंतिम चरण सामान्य स्थिति में आकर प्राणायाम

योग के अंतिम चरण में प्राणायाम की क्रियाएं की गई। इसमें कपाल भाती के साथ श्वास के लिए भस्त्रिका आदि प्राणायाम के योग किये गए। योग का समापन सांदीपनि विद्यालय के प्रांगण में सांसद श्रीमती पारधी सहित कलेक्टर श्री मृणाल मीना जिला पंचायत अध्यक्ष व अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारियों ने पौधरोपण किया।

ये भी रहे योगाभ्यास में शामिल

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में दौरान सभी जिला अधिकारी सहित विभागों के अमले की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी। उसी अनुरूप अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। इसमें आयोजक अधिकारी जिला आयुष अधिकारी डॉ.मिलिंद चौधरी, डिप्टी कलेक्टर श्री एमआर कोल, जिला आबकारी अधिकारी सुरेंद्र उरांव, सीएमएचओ डॉ. परेश उप्लव, सीएमओ बीडी कतरोलिया, जिला खेल अधिकारी केके चौरसिया, जिला विज्ञान एवं सूचना अधिकारी सुभाषचंद्र ठाकरे, महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी प्रशांतदीप ठाकुर, लोक सेवा प्रबंधक अनिल लिल्हारे, ई- गवर्नेंस प्रबंधक विवेक मेश्राम, कलेक्टर स्टेनो धनेंद्र बिसेन, कृषि विभाग के सहायक संचालक राजेश खोब्रागड़े, ब्रिज निगम के एसडीओ अर्जुनसिंह सनोडिया, सीसीबी के प्रबंधक जोशी, एसएलआर श्रीमती वंदना कुसराम, समाजिक न्याय विभाग की नूपुर झा, जिला योग अध्यक्ष तपेश असाटी, अभय सेठिया, रोटरी क्लब सचिव आशीष मिश्रा सहित अनेक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

खैरलांजी महाविद्यालय में मनाया गया अंतराष्ट्रीय योग दिवस

बालाघाट। वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविधालय खैरलांजी प्राचार्य के एल हिवारे के निर्देशन और राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्री रोहित कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन मे 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम योग संगम के रूप मे मनाया गया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का प्रोजेक्टर के माध्यम से लाईव प्रसारण एवं योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे जनभागीदारी अध्यक्ष वेदप्रकाश कटरे, क्रीड़ा प्रभारी डॉ.अशोक टेम्भुर्ने, डॉ. उमेश सिंह कुशवाह, डॉ.अल्का हिरकने, श्री अमर सिंह गोंड,और समस्त स्टाफ़ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चित्र प्रदर्शनी लगाकर योग से होने वाले लाभकारी गुणों के बारे में कराया अवगत

बालाघाट। राष्ट्रबाण

केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय बालाघाट द्वारा शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम में योग के विभिन्न आसनों को प्रदर्शित करते हुए चित्र प्रदर्शनी का।आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में भारत सरकार आयुष विभाग द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल समाहित रहा। प्रदर्शनी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के उद्देश्य सहित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संदेश सहित योग सहित जानकारी समाहित रहीं। जिससे कि जिले के नागरिकों को परिचित कराया गया।

जेल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बालाघाट। राष्ट्रबाण

जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा जिला जेल बालाघाट में योग एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया । योग शिविर में योग प्रशिक्षक द्वारा जिला जेल में सामूहिक योग एवं प्राणयाम कराया गया साथ ही उपस्थित बंदियो को योग से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी भी दी। इस दौरान शिविर में उपस्थित श्री गौतम सिंह मरकाम विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) द्वारा कहा गया कि शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वास्थ्य रहने के लिए योग आवश्यक है योग से जीवन में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। शिविर में उपस्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री मनीष सिंह ने कहा कि योग एवं प्राणायाम के माध्यम से निश्चित तौर पर प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है।

शिविर में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने उपस्थित बंदियो को कहा कि योग एवं प्राणायाम नियमित अभ्यास को अपने जीवन का हिस्सा बनाए योग करने से मन शांत रहता है। साथ ही श्री धुर्वे ने विधिक सहायता योजना एवं बंदियों के अधिकार के संबंध में जानकारी प्रदान की। शिविर के पश्चात जेल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें फलदार एवं छायादार पौधें लगाया जाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

शिविर में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री बसंत डहाके, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री आशुतोष शुक्ला, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री दुर्गेश लिमजे, श्री मुकेश लिल्हारे, श्री चन्द्रेश नागेश्वर, जेल अधीक्षक श्री आरएल सहलाम, योग प्रशिक्षक श्री धीरज चौधरी, श्री धनेन्द्र उपराडे, तथा समस्त जेल बंदी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 22 जून 2025

सिवनी-बैतूल राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण • मुलताई • बैतूल बाजार • आमला • भैंसादंड • सारणी • बोरदई • आठनेर

रजिस्ट्रार कार्यालय में जमकर चल रहा कमीशन का खेल

प्रत्येक रजिस्ट्री पर बंधा है अर्जीनवीस से कमीशन...

सिवनी। राष्ट्रबाण

जिला मुख्यालय सिवनी में दिन प्रतिदिन भ्रष्टाचार और कमीशन का खेल चरम सीमा पर खेला जा रहा है। इसका एक उदाहरण जिला रजिस्ट्रार कार्यालय है जहां लंबे समय से भूमि की रजिस्ट्री पर कमीशन का खेल जोरों पर चल रहा है। अब आलम यह हो गया है कि रजिस्ट्रार से लेकर उप रजिस्ट्रार कार्यालय में मलाईदार सीट पर तैनाती के लिए ऐसे चहेते अधिकारी ले-देकर कर मनपसंद रजिस्ट्रार कार्यालय में अपनी तैनाती करवा रहे हैं।

4,80,000 महीनों का कमीशन

उदाहरण के तौर पर 1 रजिस्ट्रार प्रति दिन में कम से कम 10 रजिस्ट्री पास करता है। 2 हजार के कमीशन से प्रतिदिन 20 हजार रुपए यदि महीने में 24 दिन कार्यालय खुला रहता है। उस हिसाब से 4 लाख 80 हजार रुपए सीधे अर्जीनवीस के द्वारा रजिस्ट्रार को दिया जाता है। आश्चर्य की बात यह है कि कलेक्टर ऑफिस से मजह 2 मिनट की दूरी पर इतना बड़ा भ्रष्टाचार का खेल खुलेआम खेला जा रहा है उसके बाद भी लोग मजबूरन इसका भुगतान अर्जीनवीस के माध्यम से रजिस्ट्रार को कर रहे है। यह हालात जिले को भ्रष्टाचार की चरम सीमा पर पहुंचाता है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सिवनी जिला मुख्यालय के अलावा सभी तहसील के उप रजिस्ट्रार कार्यालय में भी यह खेल खुलेआम रजिस्ट्रार और अर्जीनवीस के द्वारा क्रेता से खेला जा रहा है। हर एक रजिस्ट्री पास करने के लिए अर्जीनवीस के द्वारा स्टांप ड्यूटी के खर्च के साथ रजिस्ट्रार का 2 से 3 हजार अतिरिक्त जोड़कर पहले ही क्रेता को बता देते हैं।

पूर्व में रजिस्ट्रार कार्यालय पर तैनात हुए अधिकारी पर कमीशन लेने का कई लोगों के द्वारा आरोप भी लगाए गए हैं। विगत दिनों राष्ट्रबाण द्वारा जब रजिस्ट्रार कार्यालय गए और वहां पर जमीनों की रजिस्ट्री कराने वाली क्रेता से बातचीत की तो उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि यहां पर प्रत्येक रजिस्ट्री में 2 से 3 हजार का खेल चलता है तभी रजिस्ट्री होती है। यदि कमीशन न दिया गया तो रजिस्ट्री में कई खामियां निकाल दी जाती हैं और रजिस्ट्री कराने वाला व्यक्ति फिर परेशान होकर धक्के खाता रहता है।

बात यहीं पर खत्म नहीं होती। रजिस्ट्रार कार्यालय में उच्च पद पर बैठे अधिकारियों के दलाल भी कार्यालय के इर्द-गिर्द हमेशा तैनात रहते हैं, और रजिस्ट्री कराने वाले व्यक्ति को अपने चंगुल में फंसाकर उनका काम जल्द कराने का लालच देकर के 2-3 हजार का खेल सीधे तौर पर खेल दिया जाता है। इस तरह से प्रत्येक दिन की ही बात की जाए तो हजारों और महीनो में लाखों रुपए कमीशन के बल पर सीधे तौर पर उगाही की जाती है।

सिवनी। राष्ट्रबाण

शोभा की सुपारी है बंद ट्रैफिक सिग्नल

लाखों खर्च के बाद भी नहीं बदली नगर की ट्रैफिक व्यवस्था

आम जनता की नजरों से नगर पालिका क्षेत्र में लगे ट्रैफिक सिग्नल बंद है इससे यह प्रतीत होता है कि सिवनी शहर नगर पालिका के हिसाब से सिग्नल-फ्री हो गया है। इसका मतलब साफ है ट्रैफिक नियंत्रित करने के लिए कोई ट्रैफिक लाइट की आवश्यकता अब नहीं है। जिससे शहर का यातायात सुगम और दुर्घटना-मुक्त बनाने के लिए किया जाता है। जैसे कोटा, राजस्थान, भारत का पहला और दुनिया का दूसरा सिग्नल-फ्री शहर है। कही नगर पालिका सिवनी भी इसी दौड़ में शामिल तो है।

इन चौराहों पर लगे थे सिग्नल

सिवनी नगर में नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत सर्किट हाउस चौक, कचहरी चौक, नगर पालिका चौक, छिंदवाड़ा चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगवाए थे। सभी जगह लगे ट्रैफिक सिग्नल पिछले लंबे समय से बंद थे, लेकिन आज नजर नहीं आ रहे हैं। इस कारण लोग यातायात नियमों का पालन भी नहीं कर रहे हैं।

चौराहों पर दबाव अधिक, बिना रूके निकल रहे वाहन

शहरी क्षेत्र के ट्रैफिक सिग्नल नगर पालिका की लापरवाही से बंद पड़े है। वाहन चालक इन चौराहों से बिना रूके निकल जाते है। चौराहों पर यातायात का दबाव अधिक रहता है। इससे हादसे की आकांक्षा रहती है। इसके अलावा सिग्नल बंद होने से शहर की यातायात व्यवस्था बिगड़ रहा है।

अजब गजब राज्य की अजब गजब बात है, यहां ट्रैफिक सिग्नलों मुद्दा भी लाजवाब है। दिन प्रतिदिन बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए शहर के मुख्य चौराहा पर सिग्नल लगाए गए थे, उसके बाद वहां सिग्नल कहीं भ्रष्टाचार की सड़क में शोभा की सुपारी बंद पड़े है। सिग्नल होने का मतलब है कि अब सिग्नल सड़क किनारे नजर नहीं आ रहे हैं, उनका अस्तित्व ही नगर पालिका क्षेत्र से पूर्ण रूप से खत्म हो चुका है।

शहर के बेपटरी यातायात को पटरी पर लाने के लिए ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए थे। जिसके बाद कुछ हद वाहन चालक नियमों का पालन भी करने लगे थे। लेकिन धीरे धीरे शहर के चौराहों पर लगे सिग्नल लाइट अब शोभा की सुपारी बन गए है। ऐसे में फिर पहले की तरह यातायात व्यवस्था पटरी से उतर गई है। अब ट्रैफिक पुलिस अपने स्तर से व्यवस्था बनाने में जुटी है। लेकिन पूर्व समय सिग्नल बंद चालू होते हुए ही नजर आ रहे थे। सिग्नलो की सही रूप से देखरेख करने की जिम्मेदारी नगर पालिका की होती है। लेकिन नगर पालिका प्रशासन को भ्रष्टाचार करने के अलावा कोई काम नजर आता तो वह सबसे पहले लाखों रुपए की योजना से संचालित ट्रैफिक सिग्नल की देखरेख सुचारु रूप से करते और आज दिनांक तक यातायात व्यवस्था में वह मददगार होता। लेकिन भ्रष्ट नगर पालिका प्रशासन के द्वारा सिग्नल के खंभे जंक और टूट फूट का शिकार तो कही चौक के सिग्नल टूटकर वायरिंग के सहारे वर्षों तक लटक रहे है। यह सब बात सुने में बहुत अजीब है लेकिन सच है। नगर पालिका की खासियत है योजना चालू होते तक गुणगान गाए जाएंगे फिर सुचारू रूप से चलने के लिए हम नजर नहीं आएंगे।

नागरिकों के द्वारा वर्षों पहले यह मुद्दा उठाने के बावजूद बंद सिग्नलों को चालू करने का आश्वासन दे दिया गया और फिर नए भ्रष्टाचार की रूप रेखा में लग गए। इस कारण दिन प्रतिदिन वाहन चालक चौराहों से बिना रूके तेजी से निकलते हैं। जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है तो दूसरी तरफ इसका खामियां ट्रैफिक पुलिस को भुगतना पड़ रहा है।

पद्म शेषनागदेवता मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर हुआ विशेष पूजन

बैतूल। राष्ट्रबाण

साहू समाज समिति, सदर बाजार के तत्वावधान में श्री पद्म शेषनागदेवता एवं नागिन माताजी की प्राण प्रतिष्ठा की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर अभिषेक कार्यक्रम किया गया। रात्रि में विशेष पूजन, महाआरती एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम हुआ जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसे सफल बनाने में समिति के कनिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत साहू पल्हेवार एवं उनके परिवार, साथ ही समिति के प्रचार सचिव खेमू पप्पू साहू पल्हेवार एवं उनके परिवार ने विशेष सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान साहू समाज समिति के सदस्य एवं भारत सरकार के सैनिक प्रवीण सहदेव साहू का विशेष रूप से सम्मान किया गया। इस आयोजन में मातृशक्ति की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही, जिनमें श्रीमती गीता साहू पल्हेवार, रोशनी साहू पल्हेवार, माया साहू, प्रमिला साहू, रूखमणि साहू, गीता चौधरी, ममता साहू पल्हेवार, गौरा चौधरी, बबीता साहू, सरस्वती साहू सहित अन्य महिलाओं का उल्लेखनीय योगदान रहा।

समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम सुंदर साहू एवं सचिव राजू सुखदेव साहू ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

श्री कृष्ण का अभिषेक करने की पुण्य की प्राप्ति होती है : पं देवेंद्र गिरी

बैतूल। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तत्वावधान में शनिवार को योगिनी एकादशी के अवसर पर भगवान श्री कृष्ण का विशेष पूजन अनुष्ठान समारोह का आयोजन खंजनपुर में त्रिभुवन लाल साहू के निवास पर आयोजित किया गया इस अवसर पर देवेंद्र गिरी छोटू महाराज ने भगवान श्री कृष्ण का पंचामृत अभिषेक किया गया।

कीचड़ भरे मार्ग पर चलने को मजबूर रहवासी

पहली ही बारिश में कीचड़ में तब्दील हुई कृष्णपुरा-अंबेडकर वार्ड को जोड़ने वाली सड़क

बैतूल। राष्ट्रबाण

नल पाइपलाइन के लिए खोदी थी सड़क

वार्डवासियों ने बताया कि एक माह पूर्व वार्ड में नल पाइपलाइन के लिए सड़क की खुदाई की गई थी। नल पाइपलाइन की खुदाई के बाद रोड का हाल और खराब हो गया है। वर्तमान बारिश के मौसम में यहां की सड़क पूरी तरह से जलमग्न हो जाती है, जिससे रास्ते में मलबा भर जाता है और जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। वार्ड वासियों को आवागमन कीचड़ भरे रास्ते से ही करना पड़ रहा है। वार्डवासियों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद आज तक कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे उनका धैर्य जवाब दे चुका है। वार्डवासियों ने नगरपालिका सीएमओ और जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द सीसी रोड बनाने की मांग की है।

बैतूल मुख्यालय के कृष्णपुरा वार्ड से लेकर अम्बेडकर वार्ड को जोड़ने वाली सड़क की हालत अत्यंत खस्ताहाल हो गई है, जिससे रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि हाल ही में हुई आधे घंटे की बारिश के दौरान सड़क पर मलबा और पानी भरने से रास्ता पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। लोग गिरने और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं, लेकिन इस ओर जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि वार्ड में सीसी रोड का निर्माण किए जाने के लिए पिछले कई वर्षों से नगरपालिका सीएमओ, जनप्रतिनिधियों से संपर्क किया, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

जहां आए थे भगवान राम और महात्मा गांधी, वहां न बिजली है न पानी

- ताप्ती नदी किनारे बसे बारहलिंग तीर्थ पर कलेक्टर से दौरे की अपील
- शिवधाम बारहलिंग में 2 जुलाई को ताप्ती जन्मोत्सव, सुविधाओं की भारी कमी

बैतूल। राष्ट्रबाण

बैतूल जिले की तहसील भैंसदेही अंतर्गत ग्राम ठेसका के पास स्थित शिवधाम बारहलिंग धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। यह वही स्थल है जहां भगवान श्रीराम, माता जानकी और लक्ष्मण अपने वनवास काल में आए थे। ब्रिटिश शासनकाल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी इस स्थान की यात्रा की थी, किंतु आज यह स्थान प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार बना हुआ है।

जन सहयोग से वर्षों से इस तीर्थ स्थल का संवर्धन कर रहे रामकिशोर पवार ने कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र सूर्यवंशी से इस तीर्थ स्थल के निरीक्षण की अपील की है। उनका कहना है कि कलेक्टर साहब ने अपने कार्यकाल में एक बार भी इस ऐतिहासिक स्थल का दौरा नहीं किया, जबकि यहां हर साल ताप्ती जन्मोत्सव का भव्य आयोजन होता है। इस वर्ष यह आयोजन 2 जुलाई, बुधवार को प्रस्तावित है।

रामकिशोर पवार ने जानकारी दी कि उन्होंने पूर्व विधायक धरमू सिंह सिरयाम से प्रयास कर लगभग 13 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन की स्वीकृति करवाई थी, वहीं 6 लाख रुपये की लागत से शौचालय भी स्वीकृत हुआ था। लेकिन अफसोस की बात है कि ग्राम पंचायत केरपानी और जनपद पंचायत भैंसदेही ने आज तक इस भवन का निर्माण कार्य पूरा नहीं करवाया और न ही इसे आम जनता को समर्पित किया है।

वर्तमान स्थिति यह है कि इस तीर्थ स्थल पर न बिजली की व्यवस्था है और न ही पीने के पानी की सुविधा है। जिस सामुदायिक भवन की राशि स्वीकृत हुई थी, उसका निर्माण भी निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं हुआ है। रामकिशोर पवार ने पंचायत के सहायक सचिव पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उस पर पहले से कई शिकायतें हैं, बावजूद इसके उसे न हटाया गया और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की गई है। उन्होंने सचिव पर सरकारी राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पवार ने कहा कि कलेक्टर अवैध कॉलोनियों और खनिज माफियाओं पर तो लगातार कार्रवाई करते हैं, लेकिन धार्मिक तीर्थस्थलों की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आशा जताई कि कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी इस स्थल का निरीक्षण कर सच्चाई अपनी आंखों से देखेंगे और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

मानवता की मिसाल : जिला पंचायत उपा

दवाई दुकान के कर्मचारियों पर हमला करने वाले गिरफ़्तार

सिवनी। राष्ट्रबाण

पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता द्वारा आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं अवैध गतिविधियों के खिलाफ न केवल सख्त है। बल्कि प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देश भी प्राप्त हैं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरुदत्त शर्मा एवं सीएसपी पूजा पाण्डेय के द्वारा लगातार मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस हर संभव प्रयास करके नगर में अशांति फैलाने वाले एवं हिंसा की घटनाओं को अंजाम देने वाले तत्वों के विरूद्ध दिन प्रतिदिन कार्यवाही करने नजर आ रही हैं।

ये हुए गिरफ्तार

अशफाक खान पिता अबजल खान उम्र 36 वर्ष निवासी हड्डी गोदाम सिवनी, फैज उर्फ भूरा खान पिता आबिद खान उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम गोपालगंज, शमशेर उर्फ शेरू खान पिता स्व. महमूद खान उम्र 28 वर्ष निवासी हड्डी गोदाम सिवनी, सरीफा पति अफजल खान निवासी उम्र 62 वर्ष निवासी हड् डी गोदाम सिवनी।

इनकी रही भूमिका

थाना प्रभारी कोतवाली किशोर वामनकर, उनि दयाराम शरणागत, सउनि जयदीप सेंगर, प्र.आर. नवीन तिवारी, आर अमित, अंकित, विक्रम, प्रतीक, महेन्द्र, सिध्दार्थ, आर.चालक इरफान

इसी क्रम में पर 19 जून के दरमियां शाम 5 बजे शास्त्री वार्ड प्रशांत गैस एजेंसी के पास न्यू भारती मेडिकल स्टोर में तीन ग्राहक जिसमें दो महिलाएं एवं एक पुरुष के द्वारा डॉ. ज्योति झारिया द्वारा लिखी गई दवाईयां लेने गए थे। पर्ची में लिखी दवाईयों के बारे में जब दुकान में काम करने वाले कर्मचारी राकेश राय से पूछने पर उसके द्वारा ग्राहकों से कहा गया कि डॉक्टर से दवाईयों के संबंध में पूरी जानकारी ले लीजिए।

उसके बाद ग्राहकों के द्वारा अभद्र एवं आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करने लगा जिसपर राकेश राय द्वारा विरोध किया गया। तब ग्राहकों द्वारा गाली गलोच कर लडाई झगडा को उतावला होने लगा करने लगा तथा मोहल्ले में आग लगाने एवं देख लेने की धमकी देकर चला गया। फिर पुनः शाम 6 बजे अपने अन्य 02 साथियों के साथ दुकान के अंदर आकर लडाई झगडा कर राकेश राय को हाथ मुक्के से मारपीट करने लगे। तब राकेश बचकर भागने की कोशिश करने लगे तो एक व्यक्ति के द्वारा उसे धक्का देकर गिरा दिया और दूसरे व्यक्ति द्वारा कैची से और अन्य व्यक्ति ने लाठी एवं लात घुसों से मारपीट करने लगे।

जब नीलेश झारिया एवं अतुल मिश्रा बीच बचाब करने आये तो उनमें से एक व्यक्ति द्वारा नीलेश झारिया एवं अतुल मिश्रा को भी कैची से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाकर लहूलुहान कर दिया। और फिर जाते-जाते दोबारा उलझे तो जान से मारने की धमकी दिया। यह संपूर्ण घटना सीसीटीव्ही एवं परिचितों द्वारा अपने मोबाइल फोन पर बना लिया गया। प्रकरण की विवेचना जारी है एवं आरोपियों के विरूध्द प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाकर गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं।

एक पृथ्वी स्वस्थ संसार - संत निरंकारी मिशन द्वारा अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस पर देशव्यापी आयोजन

नैनपुर। राष्ट्रबाण

संत निरंकारी मिशन द्वारा 'अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर आज भारतवर्ष के 1000 से अधिक स्थानों पर एक साथ 'योग दिवस' का भव्य आयोजन किया गया, मिशन की विभिन्न शाखाओं में यह आयोजन स्थानीय योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खुले मैदानों एवं पार्कों में किया गया, जिसमे श्रद्धालु, सेवादल, स्वयंसेवक एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित 'अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस' का विषय - 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है जो सम्पूर्ण मानवता को यह संदेश देता है कि व्यक्ति का वास्तविक स्वास्थ्य तभी पूर्ण माना जाता है जब वह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक रूप से संतुलित और जागरूक हो। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए संत निरंकारी मिशन अपने आध्यात्मिक और सामाजिक प्रयासों के अंतर्गत योग को समग्र कल्याण का माध्यम मानते हुए निरंतर प्रयासरत है, 2015 से ही संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा 'योग दिवस' का नियमित रूप से देशव्यापी आयोजन किया जा रहा है। यह पहल सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से निरंतर विस्तारित हो रही है, जिनका मार्गदर्शन रहा है ÷स्वस्थ मन, सहज जीवन।'' उनके विचारों में यह स्पष्ट है कि मानव शरीर ईश्वर की एक अनुपम देन है जिसे स्वस्थ और सशक्त बनाकर ही मानव अपने आध्यात्मिक और सामाजिक कर्तव्यों का सम्यक रूप से निर्वहन कर सकता है, योग भारत की एक प्राचीनतम विद्या है, जो न केवल शरीर को सबल बनाती है बल्कि मन को शांत और आत्मा को जागृत करने की क्षमता भी रखती है।इसके नियमित अभ्यास से तनाव असंतुलन और रोगों से बचाव करते हुए व्यक्ति आत्मिक शांति और सामाजिक सौहार्द की दिशा में अग्रसर होता है, आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में ऐसे आयोजनों का मूल उद्देश्य यही है कि हम स्वयं के स्वास्थ को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक*** **संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433